स्टेकहोल्डर सर्वेक्षण का विवरण

Detail of Stakeholder Survey

क्रम सं. S. No.	स्थान Venues	प्रतिभागी Participaants	
	साउथ पाइंट स्कूल गुवाहाटी	छात्र – अध्यापक – अभिभवक – प्राचार्य और शिक्षाविद्–	20 20 30 40
01	South Point School Guwahati	Students – Teachers – Parents – Principals & Educators –	20 20 30 40
	सेन्ट मेरी सेन्ट्रल स्कूल तिरूवन्तपुरम	छात्र – अध्यापक – अभिभवक – प्राचार्य और शिक्षाविद्–	48 53 33 48
03	St. Mary's Central School Thiruvanthapuram	Students – Teachers – Parents – Principals & Educators –	48 53 33 48
	पंचकुला में माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री के साथ सभी स्टेक होल्डरों की बातचीत	छात्र – अध्यापक – अभिभवक – प्राचार्य और शिक्षाविद्–	25 25 25 50
04	Interactions with all stakeholders at Panchkula by the Hon'ble HRM	Students – Teachers – Parents – Principals & Educators –	25 25 25 50
	लखनऊ पब्लिक कॉलेजिएट लखनऊ	प्राचार्य – अध्यापक – अभिभवक – छात्र –	27 19 20 45
05	The Lucknow Public Collegiate, Lucknow	Principals – Teachers – Parents – Students –	27 19 20 45
	एमरल्ड हाइट्स सीनियर सेकेण्डरी स्कूल इन्दौर	प्राचार्य – अध्यापक – छात्र –	38 36 107
06	Emerald Heights Hr. Sec. School, Indore	Principals – Teachers – Parents – Students –	38 36 38 107

एमडीआई गुडगांव द्वारा सर्वेक्षण

एम.डी.आई., गुडगांव की सहायता से निम्नलिखित के बारे में एक सर्वे कराया गयाः

- कक्षा–10 बोर्ड की एकल, वर्षान्त परीक्षा के कारण सभी स्टेकहोल्डरों में चिन्ता तथा तनाव।
- चिंता तथा तनाव को दूर करने के लिए वर्तमान समाधान तंत्र।
- कक्षा–10 की बोर्ड परीक्षा की उपयोगिता।
- विद्यालयों के लिए सतत एवं व्यापक मूल्यांकन योजना का नियोजन।

साधन के रूप में प्रश्नावली का निर्माण करना

सभी स्टेकहोल्डरों जैसे छात्र, अभिभावक, अध्यापक, प्रधानाचार्य, शैक्षणिक प्रशासक तथा शिक्षाविदों की प्रतिपुष्टि प्राप्त करने के लिए दिल्ली से प्रधानाचार्यों के एक समूह की सहायता से प्रश्नावलियां तैयार की गई। इन प्रश्नावलियों का मार्गदर्शी परीक्षण गुवाहाटी में किया।

Survey by MDI, Gurgaon

A survey was commissioned with the help of MDI, Gurgaon to collect responses about :

- The anxiety and stress among all stakeholders due to one-shot, year end examination of class X board.
- Present coping mechanisms to cope with the anxiety and stress.
- Planning of a Continuous and Comprehensive Assessment scheme for schools.
- Usefulness of the **Class X Board Exams.**

Framing of Questionnaires as a Tool

Questionnaires were designed with the help of a group of principals from Delhi as a tool for collecting feedback from all stakeholders such as students, parents, teachers, principals, educational administrators and academicians. These questionnaires were pilot tested at Guwahati.

एम.डी.आई. गुड़गांव के निष्कर्ष का सारांश

Summary of Findings by MDI, Gurgaon

क्रम सं. S.No.	स्टेकहोल्डर Stakeholders	प्राप्त प्रतिक्रियाओं की संख्या No. of Responses Received	जन परीक्षा के प्रति अवबोधन नियत करने में चिह्नित पहलू Factors Identified in Determining Perception towards Public Examination
1.	अभिभावक **Parents**	4381	बच्चे का परीक्षा तनाव, अभिभावकों का अलगाव, पैतृक तनाव (आनुवंशिक), अक्षम शिक्षण तकनीक, बच्चे की निष्पादन चिंता, यूस्ट्रेस, बच्चे के दाखिले की चिन्ता, परिणाम आवेश। Child's examination strain, Parent's seclusion, Parental strain, Ineffective pedagogy, Child's performance anxiety, Eustress, Apprehension about child's admission, result obsession.
2.	प्रधानाचार्य **Principals**	428	छात्रों को परीक्षा का तनाव, अक्षम शिक्षण तकनीक, यूस्ट्रेस, परिणाम आदेश, चिंता तथा मूल्यांकन, खराब समस्या समाधान कौशल, छात्रों के भविष्य के संबंध में चिन्तायें, विद्यालय की इमेज की चिंता, पाठ्येत्तर क्रिया–कलाप की चिंता। Student's examination strain, Ineffective teaching pedagogy, Eustress, Result obsession, Assessment and anxiety, Poor coping skills, Worries about future of students, Worries about School's image, Concern for extra curricular activities.
3.	छात्र **Students**	5119	परीक्षा तनाव, एकान्तता, यूस्ट्रेस, निष्पादन चिन्ता, प्रवेश के लिए चिन्ता, अप्रभावी शिक्षण तकनीकी, वैकल्पिक मूल्यांकन परिणामों की अत्यधिक चिन्ता। Examination strain, Seclusion, Eustress, Performance anxiety, Apprehensions about Admission, Ineffective pedagogy, Alternative Assessment, Result obsession.
4.	अध्यापक **Teachers**	4083	परीक्षा तनाव, एकान्तता, परिणामों की अत्यधिक चिन्ता, अध्यापक का तनाव, अधिगम बाधाऐं, निष्पादन चिन्ता, मूल्यांकन तथा प्रवेश की चिन्ता, निम्न आत्म सम्मान, वैकल्पिक शैक्षिण तकनीक Examination Strain, Seclusion, Result obsession, Teacher's strain, Learning impediment, Performance anxiety, Assessment and admission apprehensions, low self esteem, Alternative pedagogy.

लघु मैसेज सेवा सर्वेक्षण

मुद्दे पर तत्काल प्रक्रिया प्राप्त करने के लिए मोबाइल टेलीफोन (एस एम एस) द्वारा एक लघु सर्वेक्षण किया गया तथा निम्नलिखित प्रश्नों पर प्रतिक्रिया प्राप्त की।

'' आप क्या सोचते है कि यदि बोर्ड परीक्षाएं आयोजित नहीं की गई तो आप

(क) के पास वैचारिक स्पष्टता तथा अधिगम अनुभव के लिए अधिक समय होगा।

(ख) तनाव कम होगा तथा मानसिक रूप से अधिक स्वस्थ समझेंगे ।

(ग) यदि विद्यालय स्तर पर सुव्यवस्थित परीक्षा का आयोजन हो तो इसे समान रूप से उपयोगी समझेंगे।

एस.एम.एस. सर्वेक्षण के निष्कर्षों का सारांश

लगभग 8750 प्रतिक्रियें प्राप्त हुई। उपर्युक्त प्रश्नों के संदर्भ में

- 61 प्रतिशत छात्रों ने कहा कि वैचारिक स्पष्टता तथा अधिगम अनुभव के लिए अधिक समय होगा।
- 68 प्रतिशत छात्रों ने कहा कि उनका तनाव कम होगा तथा वे मानसिक रूप से अधिक स्वस्थ होगें।
- 53 प्रतिशत छात्रों ने कहा कि विद्यालय स्तर पर सुव्यवस्थित रूप से आयोजित परीक्षा समान रूप से उपयोगी होगी।

सीसीई की शुरूआत

विभिन्न समितियों/आयोगों, सर्वेक्षणों तथा देश भर के विभिन्न स्टेकहोल्डरों के साथ परामर्श तथा सीबीएसई को प्राप्त आदेश (मैनेडेट) को ध्यान में रखते हुए बोर्ड ने निम्नलिखित योजना शुरू करने का निर्णय किया:

Short Message Service Survey

A Short Message Survey to get immediate response on the issue was also done through mobile telephone (SMS) and the responses were collected on the following questions:-

"Do you think that if board examinations were not conducted, you will -

(a) Have more time for conceptual clarity and learning experience.

(b) Have less stress and be mentally healthier.

(c) Find it equally useful if there is a well conducted exam at the school level."

Summary of Findings of SMS Survey

About 8750 responses were received. Of the SMS responses with reference to the above question:-

- Sixty one percent said that they will have more time for conceptual clarity and learning experience.
- Sixty eight percent said that they will have less stress and will be mentally healthier
- Fifty three percent said that they will find it equally useful if there is a well conducted school examination.

Introduction of CCE

In the light of the recommendations of various committees/commissions, surveys and consultations with stakeholders across the country and the given mandate of CBSE, the Board decided to introduce the following Scheme:

i) 2011 से सीबीएसई से संबद्ध माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययन करने वाले तथा कक्षा X के बाद सीबीएसई बोर्ड से बाहर न जाने वाले छात्रों की कक्षा X की बोर्ड परीक्षा नही होगीं।

ii) सीबीएसई से संबद्ध माध्यमिक स्कूलों में पढ़ रहे छात्रों को बोर्ड की बाह्य परीक्षा में शामिल होना होगा।

iii) इसके अलावा जो छात्र अपने समकक्षों की तुलना में मूल्यांकन अथवा आत्मनिर्धारण कराना चाहते है उन्हें अनुरोध पर (ऑन डिमांड) लिखित प्रवीणता परीक्षा में शामिल होने की अनुमति होगी।

सभी विद्यालय

(क) सतत व व्यापक मूल्यांकन (सीसीई) को कक्षा IX में सभी संबद्ध विद्यालयों में अक्टूबर 2009 से सुदृढ़ किया गया।

(ख) सीबीएसई द्वारा विकसित एक वैकल्पिक अभिवृत्ति परीक्षा भी छात्रों के लिए उपलब्ध होगी। सीसीई तथा अन्य स्कूल रिकार्ड सहित छात्र अभिवृत्ति परीक्षा XI में पंसद के विषय चुनने में अभिभावकों तथा अध्यापकों की सहायता करेगी। वर्तमान शैक्षणिक सत्र के कक्षा X के छात्रों को सीबीएसई बोर्ड परीक्षा देनी होगी।

सतत व व्यापक मूल्यांकन योजना पर प्रशिक्षण कार्यशाला

सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों की संख्या लगभग 11,600 है। इसमें सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालय, केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय तथा अन्य स्वतंत्र विद्यालय शामिल है। अतः इन सभी विद्यालयों को क्रमप्रपाती उपागम का प्रयोग करके प्रशिक्षण दिया गया। मास्टर प्रशिक्षक तैयार किए गए जिन्होंने

i) There will be no class X board examination from the year 2011 for students studying in Senior Secondary Schools affiliated with CBSE and for who do not wish to move out of the CBSE system after class X.

ii) The students studying in CBSE affiliated Secondary Schools will, however, be required to appear in Board's external examination.

iii) Further, those students who wish to assess themselves vis-à-vis their peers or for self assessment will be allowed to appear in an On Demand (pen and paper/online) Proficiency Test.

All Schools

a) The Continuous and Comprehensive Evaluation (CCE) was strengthened in all affiliated schools with effect from October 2009 in class IX.

b) An Optional Aptitude Test developed by the CBSE will also be available to the students. The Aptitude Test along with other school records and CCE would help students, parents and teachers in deciding the choice of subjects in Class XI.

Training Workshops on CCE

The CBSE has about 11,600 schools affiliated to it. These include Government, Government aided, Kendriya Vidyalayas, Navodaya Vidyalayas and independent schools. Therefore, the training of all the schools was done by using the Cascade Approach: Master Trainers were prepared who in turn trained

प्रधानाचार्यों तथा अध्यापकों (प्रत्येक विद्यालय से एक प्रधानाचार्य तथा दो अध्यापक) को 6 घंटे के प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षित किया गया।

कार्यशालाओं के उद्देश्य

- कक्षा X 2010 परीक्षाओं तथा लागू किये जाने वाले ग्रेडिंग सिस्टम के लिए प्रधानाचार्य तथा अध्यापकों में जागरूकता पैदा करना ।
- अक्टूबर 2009 से कक्षा X के लिए लागू की जा रही विद्यालय आधारित मूल्यांकन तथा सीसीई योजना और सीसीई के तहत रचनात्मक तथा योगात्मक निर्धारण करने के संबंध में जागरूकता पैदा करना।
- मार्च 2010 में कक्षा X के लिए योगात्मक मूल्यांकन रीति तथा ब्लू प्रिंट की जानकारी देना।
- सीसीई कार्ड भरने के लिए निर्धारण के साधनों तथा तकनीकों के प्रयोग के संबंध में जागरूकता पैदा करना ।
- सह–शैक्षिक कौशल में छात्रों के निर्धारण के संबंध में चिंताओं का समाधान करना।
- सीसीई योजना के कार्यान्वयन में विद्यालयों के विशिष्ट मुद्दों का समाधान करना।
- प्रश्न बैंक बनाने की प्रक्रिया में भाग लेने के लिए अध्यापकों को प्रेरित करना।

principals and teachers (one principal and two teachers of each school) during a six hours training module.

Objectives of the Workshops

- To create awareness among principals and teachers regarding the class X 2010 examination and the grading system to be followed.
- To create awareness regarding the School Based Assessment and CCE Scheme being introduced for class X from October 2009 and the Formative and Summative Assessments under the CCE.
- To share the blue print and the mode of Summative Assessment for class X in March 2010.
- To create awareness regarding using Tools and Techniques of Assessment for filling in the CCE Card.
- To address the concerns regarding the students assessment in Co-Scholastic Skills.
- To address school specific issues in implementing the CCE scheme.
- To motivate teachers to participate in the exercise of preparing Question Banks.

मास्टर प्रशिक्षक कार्यशालाओं का आयोजन
Master Trainers' Workshops

क्रम सं. S.No	मास्टर प्रशिक्षक Master Trainers for	मास्टर प्रशिक्षको की संख्या No. of Master Trainers
1	निजी विद्यालय Private Schools	119
2	नवोदय विद्यालय संगठन NVS	80
3	डी.ए.वी DAV	39
4	शिक्षा निदेशालय (दिल्ली) Directorate of Education, Delhi	108
5	भारतीय विद्या भवन Bhartiya Vidya Bhawan	11
6	शिक्षा निदेशालय, सिक्किम Directorate of Education, Sikkim	418
7.	केन्द्रीय विद्यालय संगठन, मुम्बई Kendriya Vidyalaya Sangathan, Mumbai	45
8.	केन्द्रीय विद्यालय, गुवाहाटी Kendriya Vidyalaya, Guwahati	206
9.	शिक्षा निदेशालय , अरूणाचल प्रदेश Directorate of Education, Arunachal Pradesh	180
10.	केन्द्रीय विद्यालय संगठन, मैसूर Kendriya Vidyalaya Sangathan, Mysore	45
11.	निदेशक जन अनुदेशन (विद्यालय), चण्डीगढ़ Directorate of Public Instructions (Schools), Chandigarh	87
12.	इण्डियन स्कूल, दुबई Indian High School, Dubai	81
13.	इंडियन शिक्षा निदेशालय, अं.मिकोवर Directorate of Education, A & N	166
14.	इण्डियन स्कूल, मस्कट Indian School, Muscat	92
15	एम.ई.एस. स्कूल, कतर MES School, Qatar	541

प्रधानाचार्यों व अध्यापकों के लिय एडवोकेसी व प्रशिक्षण कार्यक्रम
Advocacy & Training for Programmes

क्रम सं. S.No.	क्षेत्रीय कार्यालय Regional Office	चरण Phases	शामिल राज्य States Covered	गये विद्यालय No. of Schools	प्रतिभागियों की संख्या No. of Participants
	इलाहाबाद	I A-B, II A-B & III			
1	Allahabad	A	उत्तरप्रदेश/UP	899	2263
		III A	उत्तरांचल/Uttaranchal	203	554
	अजमेर	II A-B & III A	गुजरात/Gujarat	106	282
2	Ajmer	III A	मध्यप्रदेश/MP	352	918
		III A	राजस्थान/Rajasthan	300	789
	भुवनेश्वर	III A	छत्तीसगढ़/Chhattisgarh	88	244
3	Bhubaneswar	III A	उड़ीसा/Orissa	125	309
		II A & III A	पश्चिम बंगाल/WB	95	216
		II A-B & III A	तमिलनाडू /Tamil Nadu	161	442
		II A-B	केरल/Kerala	812	2263
	चेन्नई	II A-B & III A	आंध्रप्रदेश/AP	198	478
4	Chennai	II A-B & III A	कर्नाटक/Karnataka	209	528
		II A	महाराष्ट्र/Maharashtra	181	
	दिल्ली		दिल्ली		
5	Delhi	I A-B	Delhi	768	1874
		I A-B, II A-B & III	हरियाणा		
		A	Haryana	921	2268
	पंचकूला	II A	चण्डीगढ़/Chandigarh	90	270
6	Panchkula	II A-B & III A	पंजाब/Punjab	400	1027
		II B	जम्मू एवं कश्मीर/J&K	45	114
		II B	हिमाचल प्रदेश/HP	134	317
7	पटना	II A-B & III A	झारखंड/Jharkhand	199	525
	Patna	IV A	बिहार/Bihar	189	530
8	गुवाहाटी Guwahati	IV A	असम/Assam	76	174
			कुल/Total:	**6551**	**16789**

प्रशिक्षण कार्यशालाओं की प्रतिपुष्टि

प्रतिभागियों की प्रतिपुश्टि प्राप्त करने के लिए एक प्रश्नावली विकसित की गयीः

87.27 प्रतिशत प्रत्यार्थियों ने कहा कि सत्र से सतत एवं व्यापक मूल्यांकन की अवधारणा समझने के लिए वे समर्थ हुए हैं।

90.48 प्रतिशत प्रत्यार्थियों ने कहा कि वे मानते है कि सह–शैक्षिक अधिगम क्षेत्रों को दिया गया महत्व उपयुक्त है।

85.87 प्रतिशत, 89.2 प्रतिशत, 62.31 प्रतिशत और 64.20 प्रतिशत प्रत्यार्थियों ने महसूस किया कि वे अपने शिक्षकों तथा अभिभावकों के साथ और अन्य स्कूलों के प्रधानाचार्यों और अध्यापकों के साथ सत्रों का संचालन करने के लिए आश्वस्त है।

सीसीई योजना के लिए विकसित सहायक सामग्री

1. कक्षा IX और X में सतत और व्यापक मूल्यांकन के लिए अध्यापक नियमावली
2. फ्लायर
3. स्कूल आधारित निर्धारण प्रमाणपत्र
4. कक्षा IX के मॉडल रिपोर्ट कार्ड
5. अक्सर पूछे गए प्रश्न
6. सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के संदर्भ में जीवन कौशल
7. गीत–नया आगाज
8. एक मूवी
9. प्रशिक्षक नियम–पुस्तिका
10. पावर पाइन्ट प्रस्तुतीकरण
11. स्कूलों को परिपत्र और परामर्श
12. नये फॉर्मेट में नमूना प्रश्न पत्र।
13. सीबीएसई वेबसाइट पर सीसीई कॉर्नर।
14. सीबीएसई वेबसाइट पर 'इन्टरएक्ट विद चेयरमैन'।
15. टोल फ्री हेल्पलाइन।

Feedback of Training Workshops

A questionnaire to collect the feedback of participants was developed. According to the analysis of the feedback:

87.27% of respondents said that the session had enabled them to understand the concept of CCE.

90.48% of respondents said that the importance given to co-scholastic learning areas was appropriate.

85.87%, 89.22%, 62.31%, and 64.20% of respondents felt that they were confident of conducting training sessions with parents and teachers of their school, principals and teachers of other schools respectively.

Support Material Developed for CCE Scheme

(i) Teacher's Manual for Continuous and Comprehensive Evaluation in class IX & X
(ii) Flyer
(iii) A School Based Assessment Certificate
(iv) Model Report Card for class IX
(v) Frequently Asked Questions
(vi) Life Skills in the context of CCE
(vii) Song – 'Naya Aagaz'
(viii) A movie
(ix) Trainers' Manual
(x) Power Point Presentation
(xi) Circular and Advisory to schools
(xii) Sample Question Papers in the new format
(xiii) CCE corner on CBSE website
(xiv) Feature of Interact with Chairman on the CBSE website
(xv) Toll free helpline

सीसीई योजनाओं का उचित कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए मानीटरन तथा परामर्शी कार्यक्रम

विद्यालयों में सीसीई प्रणाली प्रभावपूर्ण ढंग से लागू करने के लिए क्षमता का निर्माण करने के उद्देश्य से सीबीएसई द्वारा ''मानीटर–मेंटॉर फ्रेमवर्क'' सूत्र अपनाया गया। इन मानीटरों तथा मेन्टरों ने समकक्ष निर्धारक के रूप में कार्य किया। एक प्रधानाचार्य को एक मेन्टॉर के रूप में नियुक्त किया गया और उसे आस–पास के 6 से 10 विद्यालय दिए गए। मानीटर ने विद्यालयों का दौरा किया और जांच सूची, शिक्षकों के साथ बातचीत करके, कक्षा प्रेक्षण पैमाने, आत्म समीक्षा फार्म तथा सीसीए पर मानीटरन फार्म के माध्यम से दस्तावेजी प्रेक्षण किया। यदि आवश्यक हुआ तो मांनीटरों ने विद्यालयो की मेंटरिंग भी की।

मानीटरन तथा परामर्शी कार्यशाला का उद्देश्य

- सीसीई का उचित कार्यन्वयन सुनिश्चित करना।
- शिक्षकों और विद्यालय नेतृत्व के वास्तविक स्त्रोत आधार के साथ निकटता से कार्य करना, उनके विचार, मजबूरियां और समस्याओं पर काबू पाने के लिए रास्ते ढूंढ़ना।
- मानीटर तथा मेन्टॉर का वास्तविक अर्थ है प्रकिया, अनुभव, बातचीत के माध्यम से दूसरों का मार्गदर्शन करने के रास्ते बनाना।

रिपोर्टाधीन अवधि की मानीटरन या परामर्शी कार्यशालाओं का आयोजन निम्नलिखित स्थानों पर किया गया।

Monitoring and Mentoring Programmes to Ensure Proper Implementation of CCE Schemes

With an aim to build capacity within the schools for implementing Continuous and Comprehensive Evaluation system effectively `Train the Monitor-Mentor framework' was adopted by CBSE. These monitors and mentors worked as peer assessors. A principal was appointed as a monitor and assigned six to ten schools in the neighbourhood. The monitor visited schools and documented observations through checklists, interaction with teachers forms, classroom observation scale, self review form and mentoring form on CCE. The monitors also mentored the school, where ever required.

The Objectives of the Monitoring and Mentoring Workshop are

- To ensure proper implementation of CCE.
- Working very closely with the actual resource base of the teachers and school leaders, understanding their views, constraints and find ways to overcome the problems.
- To Monitor and Mentor means to make easier; to guide others through a process, an experience, or a conversation.

Monitoring and Mentoring workshops were held at the following places till the period under report.